DEPARTMENT OF HINDI

- **M. A. in HINDI :**

FACULTY OF ARTS

- **FOURTH SEMESTER** (EVEN SEMESTER)

Eligibility Criteria (Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course (Paper/Subjects)	Credits	Contact Hours Per WeeK			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
After appearing in the Third semester examination irrespective of any number of back/ arrear papers	HND 401	CCC	भारतीय साहित्य	06	4	3	00	3	00
	HND 402	CCC	हिन्दी पत्रकारिता	06	4	3	00	3	00
	HND 403	CCC	प्रयोजनमूलक हिंदी	06	4	3	00	3	00
	HND 421	SSC	लघु शोध प्रबंध	06	00	00	9	00	4
			प्रायोगिक एवं मौखिकी	06	4	3	00	3	00
	HNDD 02	ECC/CB	भारतीय मूलभाषा पालि						
	HNDD 03	ECC/CB	अनुवाद विज्ञान						
	HNDD 04	ECC/CB	कोश विज्ञान						
	HNDD 05	ECC/CB	पाठालोचन						
	HNDD 06	ECC/CB	भाषा शिक्षण						
	MINIMUM CREDITS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTER IT WOULD BE 30			TOTAL= 30					

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HND401		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE भारतीय साहित्य		
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
2. हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय देना।
3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।
4. हिंदी में अनूदित साहित्य परिचय देना।
5. साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित कराना।

UNIT-1 18 Hours	आवरण (कन्नड़)– भैरप्पा
UNIT-2 18 Hours	अग्निगर्भ (बांग्ला) – महाश्वेता देवी
UNIT-3 18 Hours	शिप्रा साक्षी है (हिन्दी)– शत्रुघ्न प्रसाद, साहित्य संसद, दिल्ली
UNIT-4 18 Hours	हिन्दी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, जिसमें बांग्ला साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा सामान्यतया यह अध्ययन साहित्य के इतिहास से संबंधित होगा ।

Scanned by CamScanner

UNIT-5
18 Hours

आधुनिक भारतीय कविता – सम्पादक :डॉ.नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी

अनुशंसित ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ.नगेंद्र
2. भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय
5. सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी
6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर
7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
8. भारतीय चिंतन परंपरा – के. दामोदरन
9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे
10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी
11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी
12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु
13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार – डॉ. रणवीर रांग्रा
14. भारतीय साहित्य विमर्श – सं. रामजी तिवारी
15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र
16. भारतीयता की पहचान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
17. संस्कृति की उत्तरकथा – शम्भुनाथ
18. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ – के सच्चिदानंद

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HNDD 02 ECC/CB	COURSE TYPE:
COURSE TITLE हिंदी पत्रकारिता	
CREDIT: THEORY: 6 PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को हिंदी पत्रकारिता के विषय से परिचित कराना।
2. हिंदी में कम्प्यूटर के प्रयोग की विधि से अवगत कराना।
3. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के कार्यसाधक प्रयोग की कुशलता विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास – सामान्य रूपरेखा।
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पत्र – उदंत मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।
UNIT-3 18 Hours	पत्रकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट, महामना मदन मोहन मालवीय, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी।
UNIT-4 18 Hours	समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत। भेंटवार्ता के प्रकार और उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीचर लेखन, स्वरूप और उद्‌देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, समाचार पत्र की साज–सज्जा, प्रूफ संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान।

Scanned by CamScanner

UNIT-5
18 Hours

पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनाएँ, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तिकरण, संपादकीय लेखन और टिप्पणीलेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तम्भ – प्रूफ संशोधन, पत्र की साज–सज्जा, मुखपृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास – अंबिका प्रसाद वाजपेयी
2. संपूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र
3. पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी
4. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र
5. संपादन कला – के.पी.नारायण
6. पत्रकारकला – विष्णुदत्त शुक्ल
7. पत्र संपादन कला – नंदकिशोर त्रिखा
8. मुद्रण कला – प्रभुल्ल चंद्र ओझा
9. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं. वेदप्रताप वैदिक
10. हिंदी पत्रकारिता : संकट और संत्रास – हेरम्ब मिश्र
11. सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
12. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
13. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ
14. पाठ्यग्रन्थ – पत्रकारिता : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HND403 TYPE: CCC			COURSE
COURSE TITLE: प्रयोजनमूलक हिंदी			
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिंदी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप क– हिंदी भाषा के विविध रूप – सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा। ख– हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप – प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ।
UNIT-2 18 Hours	कार्यालयी, वाणिज्य–व्यवसाय की हिंदी क– राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। ख– कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ ग– कार्यालयी लेखन : स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, अभ्यास। घ– सरकारी पत्राचार : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र। ङ– व्यावसायिक पत्रलेखन : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र।
UNIT-3 18 Hours	मीडिया लेखन :– क– जनसंचार : – स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय। ख– श्रव्य माध्यम – लेखन : स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन। ग– दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखनः स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथालेखन, टेलीड्रामा, निवेदन, डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य विधाओं का रूपांतरण। घ– विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप और महत्व, भाषिक विशेषताएँ, विज्ञापन लेखन।

Scanned by CamScanner

UNIT-4 18 Hours	कम्प्यूटर, इंटरनेट और हिंदी :– क– कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय। ख– वेब पब्लिशिंग। ग– इंटरनेट का सामान्य परिचय। घ– हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि। ङ– इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग,लिंक ब्राउजिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि।
UNIT-5 18 Hours	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार क– सिद्धांत पक्ष 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। 2. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद। 3. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों मेंअनुवाद। ख– व्यावहारिक पक्ष 1. कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग। 2. विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद। 3. बैंक–साहित्य के अनुवाद का अभ्यास। ग– हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
	1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे 2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद शाही

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HNDC03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE भाषा शिक्षण		
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी भाषा एवं शब्दावली के विविध रूप– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, कृत्रिम। प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक–बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण, भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों–विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।
UNIT-2 18 Hours	भाषा विज्ञान के मूलाधार– व्याकरण बोध, मानकवर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी शब्द भंडार–पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थ वाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म
UNIT-4 18 Hours	देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता। कम्प्यूटीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता। हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।
UNIT-5 18 Hours	शैली विज्ञान–प्रारंभिक परिचय। हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। हिन्दी भाषा का भविष्य।

Scanned by CamScanner